अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2013) | दिनांक 21.12.2013

पांचवां वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

नव पदार्थ : निर्जरा, बंध और मोक्ष – 50

प्र.1 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें – 20

(निर्जरा : किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें)

(क) प्रान्त्य आहार किसे कहते हैं?

(ख) अल्पलेपा एषणा से आप क्या समझते हैं?

(ग) 'व्याघात अनशन' किसे कहते हैं?

(घ) कायक्लेश के सात प्रकार किस सूत्र में बताए गए हैं? उनके नाम लिखें।

(ङ) प्रायश्चित तप के भेद 'पारांचित' की परिभाषा लिखें।

(च) भाव अवमोदरिका तप किसे कहते हैं?

(छ) उपनीचरक किसे कहते हैं?

(ज) संसार व्युत्सर्ग के प्रकारों के नाम लिखें।

(बंध : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें)

(झ) बंधे हुए कर्मों से कौन–कौन सी स्थितियाँ घट सकती हैं?

(ञ) कर्म स्कंध में कितने व कौन–कौन से गुण पाते हैं?

(ट) आयुष्य कर्म तथा मोहनीय कर्म का अबाधाकाल तथा निषेक काल लिखें।

(मोक्ष : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें)

(ठ) पारंगत किसे कहते हैं?

(ड) शुक्ल ध्यान के उस चरण का नाम लिखें जिसमें लीन होकर अनगार चार अघात्य कर्मों का क्षय करता है?

(ढ़) निरूपग्रहता को समझाएँ।

प्र.2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें – 10

(क) निर्जरा और मोक्ष में क्या अंतर है?

(ख) शुक्ल ध्यान के लक्षण व अनुप्रेक्षा लिखें।

(ग) कर्मजीव को किस प्रकार पराधीन बनाता है?

(घ) दसवैकालिक सूत्र में सिद्धि का क्या क्रम रखा है?

प्र.3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें – 20

(क) तप को अभ्युदय और कर्मक्षय दोनों का हेतु किस प्रकार कहा गया है?

(ख) उदीरणा की प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए लिखें की क्या उदीरणा सभी कर्मों की सम्भव है?

(ग) अनुभाव बंध और कर्मफल पर टिप्पणी लिखें।

(घ) सांसारिक सुख तथा मोक्ष सुख की तुलना कीजिये।

अवबोध – (तप धर्म से बंध व विविध तक) – 30

प्र.4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए – 20

(क) भगवान ऋषभ का बारहमासी तप क्या इत्वरिक अनशन में नहीं है?
(ख) पंचाग्नितप करने वाले को भी तीव्र कष्टानुभूति होती है, फिर उसमें निर्जरा क्यों नहीं होती?
(ग) भावना और अनुप्रेक्षा में क्या अंतर है?
(घ) द्रव्य करण किसे कहते हैं?
(ङ) क्या अकाल मृत्यु होती है?
(च) निकाचना किसे कहते हैं?
(छ) क्या कर्म के उदय के बिना भी कर्म का बंध हो सकता है?
(ज) क्या अन्तराल गति में भी कर्म बंध होता है?
(झ) आत्म प्रदेश अधिक है या कर्म प्रदेश?
(ञ) पुरुषार्थ को कारण क्यों कहा गया है?
(ट) उपशम में जब सर्वथा अनुदय है, फिर इसे कर्म की अवस्थाओं में कैसे लिया?
(ठ) काल करण किसे कहते हैं?

प्र.5 कोई दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखें – 10

(क) सान्निपातिक के कितने भंग हो सकते हैं?
(ख) क्या भाव शुभ अशुभ दोनों में अंतर है?
(ग) क्या वीतराग के कर्मबंध होता है?
(घ) अबाधा काल व सत्ता में क्या अंतर है?

श्रावक संबोध – 20

प्र.6 कोई चार पद्य लिखें – 12

(क) पारिवारिक गोष्ठियाँ.....घुले।।
(ख) जप नमोक्कार.....दर्शन का।।
(ग) संघ की.....अमुत्र में।।
(घ) संघ ऐक्य.....अनुकरणीय है।।
(ङ) ''जीव क्यों हल्का भारी बनता है'' वह पद्य लिखें।
(च) जिस पद्य में श्रावकों के गुणों का वर्णन हुआ है, वह पद्य लिखें।

प्र.7 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें – 8

(क) सहायानपेक्षी किसे कहते हैं?
(ख) मुखवस्त्रिका के क्या–क्या उपयोग हैं?
(ग) ''आणाए मामगं धम्मं'' का अर्थ लिखें।
(घ) आनंद श्रावक किस ग्राम व किस सन्निवेश का रहने वाला था? तथा उसके पास कितनी गायें व कितनी स्वर्ण मुद्राएँ थीं?
(ङ) आनंद श्रावक अवधिज्ञान में उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम तथा उर्ध्व व अधोदिशा में कहाँ–कहाँ तक जानता व देख सकता था?
(च) ''दैवायत्तं कुले जन्म, मदायत्तं तु पौरूषम्'' का अर्थ लिखें।